EDUCATION DEPARTMENT

The 11th October, 1985

No. 23/23/85-Edul(2).—The Governor of Haryana is pleased to order that the existing Government College, Hansi and Government College, Narwana, will henceforth be named as Nehru Memorial Government College, Hansi and Kamla Memorial Government College, Narwana, respectively.

L. M. JAIN,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Education Department.

राजस्व विभाग

- यद्ध जागीर

दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1985

कमांक 1089-ज(I)-85/30800.—श्री हज्रा सिंह, पुत श्री लाल सिंह, गांव महलावाली, तहसील जगाधरी, जिला सम्बाला, की दिनांक 7 फरवरी, 1984, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हिरयाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v)(1) तथा 3(1)(v) के अधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री हज्रा मिह की मुब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 1542-ज-(I)-75/22244, दिनांक 30 जुलाई, 1975 तथा 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 शक्तूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती केसर कौर के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतीं के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 1093-ज(I)-85/30805. — पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनायां गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) भी धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रिधकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री कंवर सिंह ग्रेवाल, पुत्र श्री रूलिया सिंह, गांव शाहपुर, तहसीं ल जगाधरी, जिला ग्रम्बाला, को रबी, 1976 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं ▶

क्रनांक 1120-ज(1)-85/30811.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रान्ताया गरा है और उन में प्रांज तह मंगोबन किया गरा है) को धारा 2(ए)(1) न्या 3(1)(ए) के प्रनुसार सौंपे गरे प्रिकारों का प्राोग करते हुए हरियाणा के राज्यसाल, श्रीवती प्यारी कीर, मबदा श्री करतार सिंह, गरेब बालळपर, तहसील जगाधरी, जिलो प्रम्वाला, को खरीफ़, 1978 से खरीफ़, 1979 तक 150 प्यं वाणिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाणिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई गर्तों के प्रनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

कमांक 10 50-ज(I)-85/30815.—श्री मातू राम, पुत्र श्री वधावा राम, गांव श्रमरगढ़ गामढ़ी, तहसील कैंथन, खिल कुरुक्षेत्र, की दिनांक 25 मार्च, 1985 को हुई मृत्यु के परिणामस्बरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज के संजोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(v)(1)(v) तथा 3 (v) के ग्रधीन प्रवान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री मातू राम की मृिबलग 300 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रधिसूचना क्रमांक 4193-र(III)-70/19055, दिनांक 14 ग्रगस्त, 1970, 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसस्बर, 1970 तथा 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूचर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, ग्रब उसकी विधवा श्रीमती पंजाब कीर के नाम खरीफ, 1985. से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

कमांक 1119-ज(I)-85/30819.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(१ए) के अनुसार सौंपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, दिवान चन्द, पुत्र थो नन्द लाल, मकान नं 113, प्रेम नगर, अम्बाला गहर, जिला अम्बाला, की रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शती के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।